Title of the Project:- **रोपणी में रूट ट्रेनर में पौध तैयारी, पौधों में होने वाली बीमारियों का निदान एवं रोपणी प्रबंधन पर प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन।**

Why this Project:- विभिन्न प्रजातियों के उच्च गुणवत्ता के पौधों को तैयार कर वन क्षेत्रों की उत्पादकता बढाना।

Training Methodology:- प्रशिक्षण के माध्यम से क्षेत्रीय अमले को विभिन्न बिन्दुओं जैसेः रूट ट्रेनर में उच्च गुणवत्ता की पौध तैयारी करना, रोपणी में तैयार पौधों में कीट एवं फफूँद के प्रकोप की जानकारी एवं उससे बचाव के साथ–साथ नर्सरी प्रबंधन की जानकारी उपलब्ध कराकर वन क्षेत्रों की उत्पादकता बढ़ाना।

Study Design:- प्रशिक्षण

Objectives of Research:-

- रूट ट्रेनर में उच्च गुणवत्ता के पौध तैयारी करना।
- रोपणी में तैयार पौधों में होने वाली बीमारियों का निदान।
- नर्सरी प्रबंधन।

Activities Undertaken:-

- प्रशिक्षण हेतु साहित्य संग्रहण कर विवरणिका तैयार करना ।
- विभिन्न अनुसंधान विस्तार एवं लोकवानिकी वृत्त के क्षेत्रीय अमले से संपर्क कर प्रशिक्षण की रूपरेखा की जानकारी दी।
- विभिन्न समय में अलग अलग दल बनाकर क्षेत्रीय अमले को प्रशिक्षण दिया, जिनमें विभिन्न बिन्दु जैसेः रूट ट्रेनर में उच्च गुणवत्ता की पौध तैयारी करना, रोपणी में तैयार पौधों में कीट एवं फफूँद के प्रकोप की जानकारी एवं उससे बचाव के साथ–साथ नर्सरी प्रबंधन आदि सम्मिलित थे।

Cost of the Project:- 02.00 लाख

Expected Outcome of Research:-

11 अनुसंधान विस्तार एवं लोकवानिकी वृत्त के क्षेत्रीय अमले को विभिन्न बिन्दुओं जैसेः रूट ट्रेनर में उच्च गुणवत्ता की पौध तैयारी करना, रोपणी में तैयार पौधों में कीट एवं फफूँद के प्रकोप की जानकारी एवं उससे बचाव के साथ–साथ नर्सरी प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 05 चरणों में संपन्न किये गये, जिसमें जबलपुर अनुसंधान एवं विस्तार वृत्त में जबलपुर एवं रीवा अनुसंधान विस्तार वृत के क्षेत्रीय अमले को शामिल किया गया। इसी तरह इंदौर अनुसंधान विस्तार वृत्त में झाबुआ एवं रतलाम के अनुसंधान विस्तार वृत्त के क्षेत्रीय अमले को बुलाकर प्रशिक्षण दिया गया। भोपाल अनुसंधान विस्तार वृत्त में खण्डवा के क्षेत्रीय अमले को बुलाकर एक साथ प्रशिक्षण दिया गया। सागर अनुसंधान विस्तार वृत्त में ग्वालियर अनुसंधान विस्तार वृत्त के क्षेत्रीय अमले को बुलाकर प्रशिक्षण दिया गया। 11 अनुसंधान विस्तार एवं लोकवानिकी वृत्त के कुल 281 क्षेत्रीय अमले को उपरोक्त बिन्दुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों से दिये जाने वाले प्रशिक्षण की उपयोगिता एवं क्षेत्र में उसके क्रियान्वयन पर अभिमत प्राप्त किया गया। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा उक्त प्रशिक्षण को काफी उपयोगी एवं सार्थक बताया गया।

अनुसंधान विस्तार वृत्तों के क्षेत्रीय अमले को रूट ट्रेनर में रूट तैयारी एवं रोपणी प्रबंधन पर प्रशिक्षण